

दुर्लभ मेलानसिटिक बाघ और लोधा जनजाति

[स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया](#)

चर्चा में क्यों?

ओडिशा वन विभाग ने ओडिशा के [समिलिपाल टाइगर रज़िर्व \(STR\)](#) में एक दुर्लभ मेलानसिटिक बाघ के अवैध शिकार के लिये लोधा जनजातिके 4 शिकारियों को गिरफ्तार किया है।

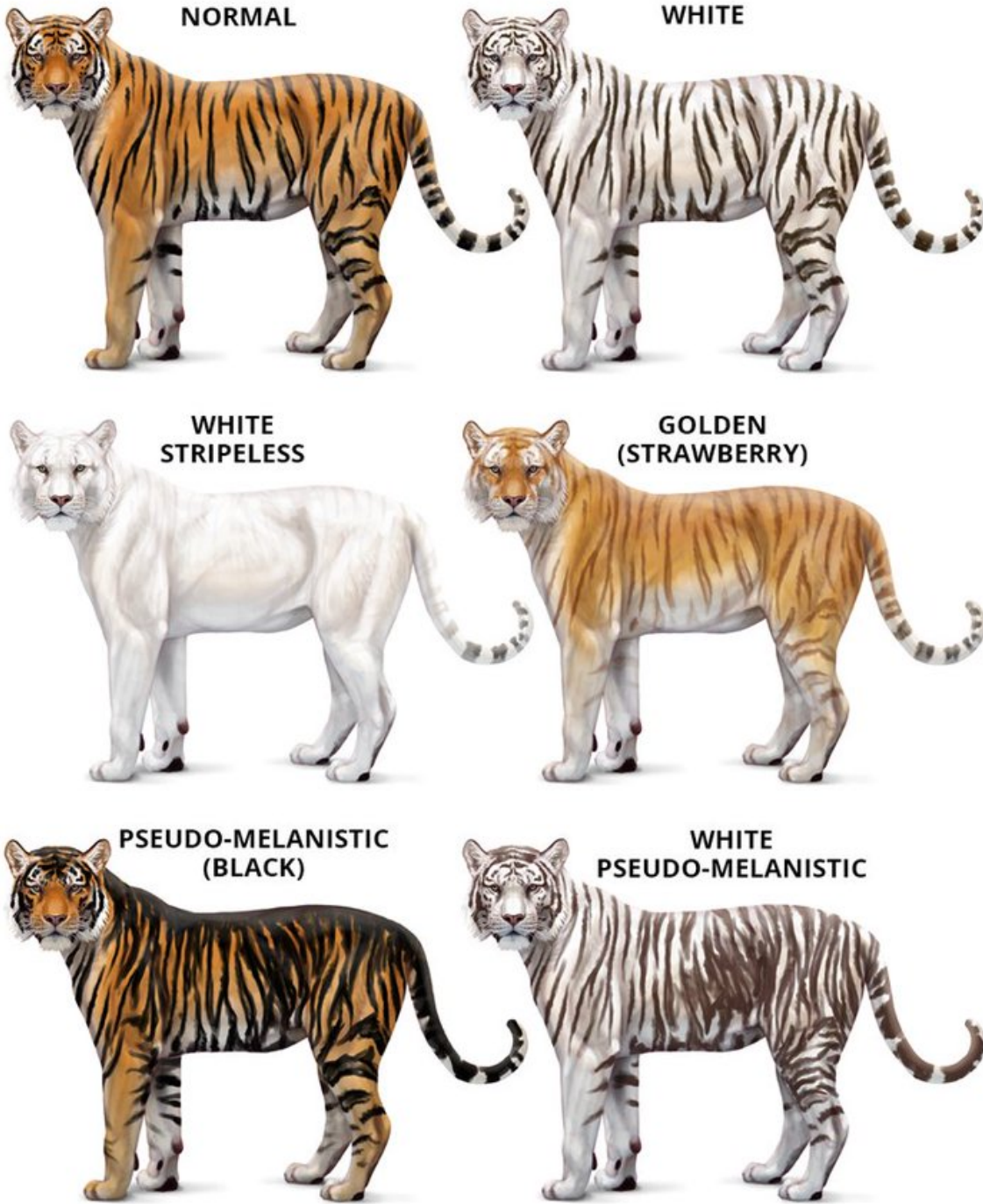
- उप-वयस्क मेलानसिटिक बाघ एक दुर्लभ समूह का हिस्सा था, अनुमानतः विश्व में ऐसे केवल 20 बाघ ही बचे हैं।

मेलानसिटिक बाघ के संबंध में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- मेलानज़िम और मेलानसिटिक टाइगर: [मेलानज़िम](#) एक आनुवंशिक स्थिति है, जिसमें पशु अधिक मेलानिन का उत्पादन करते हैं, जिसके कारण उनकी त्वचा, फर या पंख गहरे या काले हो जाते हैं।
 - मेलानिन एक प्राकृतिक पदार्थ है जो त्वचा, बाल और आँखों को रंग देता है।
 - STR के [रॉयल बंगाल टाइगर](#) में एक अनोखी आनुवंशिक विशेषता होती है, जिसमें मेलानिन का स्तर अधिक होता है, जिसके परिणामस्वरूप काली और पीली धारियों का पैटर्न बनता है, जो उन्हें छद्म-मेलानसिटिक बनाता है।
 - अखिल ओडिशा बाघ अनुमान (AOTE) 2023-24 रिपोर्ट का अनुमान है कि STR में 27 बाघ हैं, जिनमें 13 वयस्क छद्म-मेलानसिटिक बाघ शामिल हैं, जो एक अद्वितीय लक्षण है जो किसी अन्य वन्य आवास में नहीं पाया जाता है।

बाघों में अन्य रंग भिन्नताएँ क्या हैं?

- काली अथवा भूरी धारियों वाला ऑरेंज टाइगर: यह बाघ का सबसे सामान्य तथा व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त प्रकार है। उदाहरणार्थ [रॉयल बंगाल टाइगर](#)।
 - प्रत्येक बाघ का धारी पैटर्न अद्वितीय होता है जो प्राकृतिक आवास में छद्मावरण (Camouflage) के रूप में कार्य करता है।
- व्हाइट टाइगर: उन्हें एक अलग उप-प्रजाति नहीं माना जाता है। व्हाइट टाइगर के फर का रंग ल्यूसिज़िम नामक आनुवंशिक उत्परिवर्तन का परिणाम है।
- गोलडन टाइगर: इन्हें भी एक अलग उप-प्रजाति नहीं माना जाता है। इनका सुनहरा रंग "[वाइडबैंड](#)" नामक एक अप्रभावी जीन के कारण होता है, जो बालों के विकास के दौरान मेलानिन उत्पादन को कम करता है।
 - यह भिन्नता [काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान](#) में देखी गई है।



समिलिपाल टाइगर रज़िर्व

- अवस्थिति: समिलीपाल दक्कन प्रायद्वीप जैव-भौगोलिक क्षेत्र में स्थिति है।
- वनस्पति: इसमें उष्णकटबिंधीय अर्द्ध-सदाबहार वन, उष्णकटबिंधीय नम पर्णपाती वन, शुष्क पर्णपाती पहाड़ी वन और विशाल घास के मैदान मौजूद हैं।
- फ्लोरा: भारत के 7% पुष्प वाले पादप और 8% ऑर्कडि प्रजातियाँ यहीं हैं।
- जैवविविधिता: बाघों के अलावा अन्य प्रमुख प्रजातियों में सांभर, चीतल, बार्कगि डयिर, गौर, चूहा हरिण, तेंदुर, फशिगि कैट आदि शामिल हैं।
 - प्रबंधन पर्यासों ने खैरी और देव नदियों के किनारे मगरमच्छों की आबादी को पुनर्जीवित कर दिया है।
- इसे वर्ष 2009 से ग्लोबल नेटवर्क ऑफ बायोस्फीयर साइट के रूप में भी नामति कथिा गया है।

लोधा जनजाति

- यह लगभग 3000 की आबादी के साथ मयूरभंज और कटक, ओडिशा में रहने वाला एक वंशिक रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह (PVTG) है।
 - PVTG अनुसूचित जनजातियों (ST) के अंतर्गत एक उप-श्रेणी है, जसि सामान्य ST आबादी की तुलना में अधिक असुरक्षित माना जाता है।
 - ST समूह को PVTG सूची में वर्गीकृत करने से उनकी जीवन स्थितियों में सुधार लाने और लक्षित सहायता प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है।
 - भारत में 75 PVTG हैं, जिनमें से सबसे अधिक 13 ओडिशा में हैं, तथा उसके बाद 12 आंध्र प्रदेश में हैं।
- भाषा: कुडुमाली, ओडिया
- उत्पत्ति: ब्रिटिश द्वारा आपराधिक जनजाति अधिनियम के तहत वर्गीकृत, इनका नाम [?] (जालसाज) से लिया गया है।
- व्यवसाय: पारंपरिक रूप से शिकारी-संग्राहक और टसर कोकून संग्राहक; अब कृषि, मजदूरी, रस्सी बनाने और छोटे व्यवसायों में संलग्न।
- आहार: मछली और कछुआ

बाघ

रायल बंगाल टाइगर (Panthera Tigris) भारत का राष्ट्रीय पशु है।

बाघ की उप प्रजातियाँ

- * महाद्वीपीय (पैंथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस)
- * सुंडा (पैंथेरा टाइग्रिस सोंडाइका)

प्राकृतिक अधिवास

उष्णकटिबंधीय वर्षावन, सदाबहार वन, समशीतोष्ण वन, मैंग्रोव दलदल, घास के मैदान और सवाना



देश जहाँ बाघ पाए जाते हैं

- 13 बाघ रेंज देश जहाँ यह प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं उनमें- भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्याँमार, रूस, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं।
- IUCN की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम में बाघ विलुप्त हो गए हैं।

संरक्षण की स्थिति

- IUCN रेड लिस्ट: लुप्तप्राय
- CITES: परिशिष्ट-I
- WPA 1972: अनुसूची-I

संरक्षण संबंधी प्रयास

- इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (IBCA): बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जैगुआर और प्यूमा नामक सात बड़ी विलुप्तियों के संरक्षण के लिये (भारत द्वारा शुरू)
- Ix2 अभियान: WWF द्वारा आरंभ किया गया; 2022 तक बाघों की आबादी को दोगुना करने के लक्ष्य को इंगित करते हुए 'टाइगर टाइम्स 2' को संदर्भित करता था
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA): WPA, 1972 के तहत गठित
- प्रोजेक्ट टाइगर: 1973 में लॉन्च किया गया
- बाघों की गणना: प्रत्येक 5 वर्ष में

खतरे

- आवास विखंडन
- अवैध शिकार
- मानव-वन्यजीव संघर्ष

भारत में बाघ

- भारत में इनकी संख्या सबसे अधिक है
 - ◆ वर्ष 2022 तक, भारत में बाघों की संख्या 3167 थी
 - ◆ मध्य भारतीय उच्च भूमि और पूर्वी घाट में इनकी सबसे बड़ी आबादी पाई गई है
- टाइगर रिजर्व: भारत में अब 53 टाइगर रिजर्व हैं
 - ◆ नवीनतम टाइगर रिजर्व उत्तर प्रदेश का रानीपुर है
 - ◆ नागार्जुन सागर (आंध्र प्रदेश) सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है जबकि ओरंग (असम) सबसे छोटा (कोर क्षेत्र) है।

??????????:

प्रश्न. नमिनलखिति युगमों पर वचिर कीजयि: (2013)

राष्ट्रीय उद्यान - पार्क से बहने वाली नदी

- | | | |
|----------------------------------|---|--------|
| 1. कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान | - | गंगा |
| 2. काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान | - | मानस |
| 3. साइलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान | - | कावेरी |

उपर्युक्त युगमों में से कौन-सा/से सही सुमेलति है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (d)

प्रश्न. नमिनलखिति बाघ आरक्षति क्षेत्रों में से "क्रांतिकि बाघ आवास (Critical Tiger Habitat)" के अंतर्गत सबसे बड़ा क्षेत्र कसिके पास है? (2020)

- (a) कॉर्बेट
- (b) रणथंभौर
- (c) नागार्जुनसागर-श्रीशैलम
- (d) सुंदरबन

उत्तर: (c)